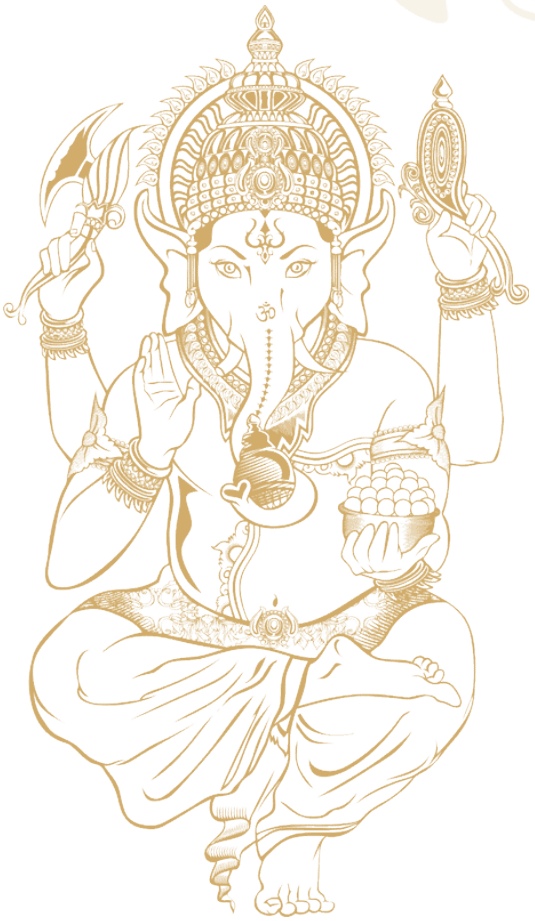

Mr.

09 Apr 2026

07:28 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121915111

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/04/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**07:28:00 घंटे**
इष्ट	03:33:23 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:06:52 घंटे
वेलान्तर	-00:01:37 घंटे
साम्पातिक काल	20:16:12 घंटे
सूर्योदय	06:02:38 घंटे
सूर्यास्त	18:43:22 घंटे
दिनमान	12:40:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	25:00:31 मीन
लग्न के अंश	21:39:50 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	परिघ
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भी-भीमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	21:39:50	437:03:28	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			मीन	25:00:31	00:58:57	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			धनु	12:40:05	11:55:34	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	सम राशि
मंगल		अ	मीन	05:12:07	00:46:45	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मित्र राशि
बुध			कुंभ	27:50:53	01:12:15	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मिथु	22:10:26	00:05:16	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	17:20:47	01:13:35	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	सम राशि
शनि		अ	मीन	12:19:20	00:07:22	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
राहु	व		कुंभ	13:51:08	00:02:19	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	13:51:08	00:02:19	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:54:14	00:02:52	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	08:16:43	00:02:12	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
प्लूटो			मक	11:06:27	00:00:46	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मक	07:34:37	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:32

लग्न-चलित

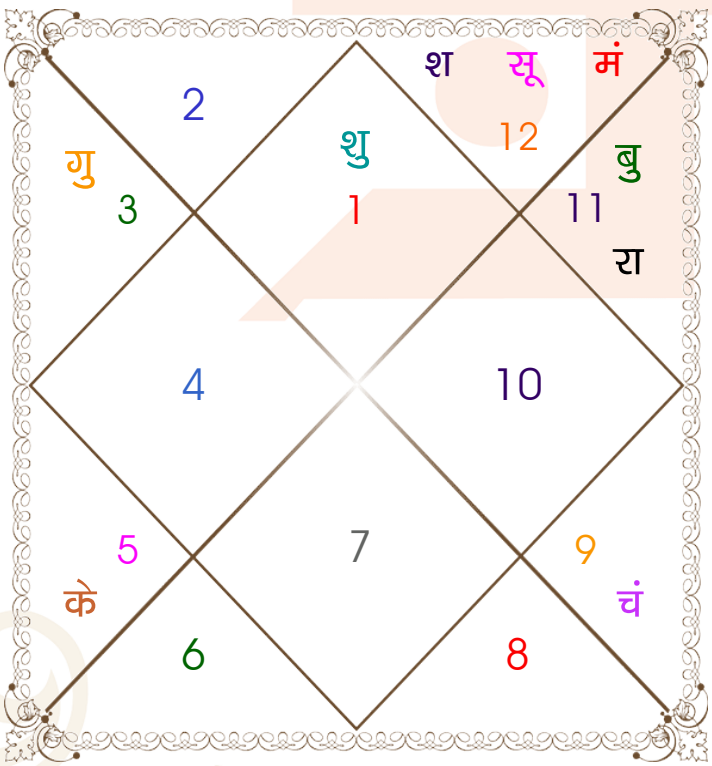

चन्द्र कुंडली

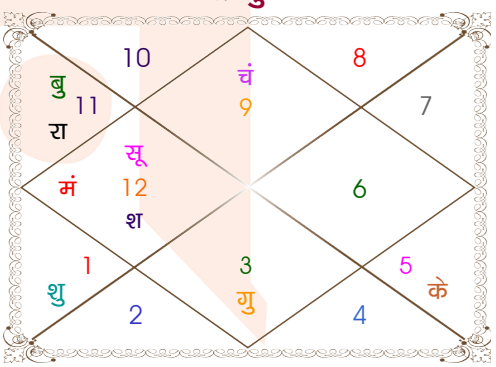

नवमांश कुंडली

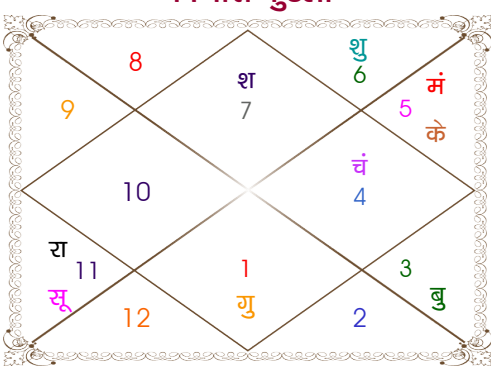

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 4 मास 5 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
09/04/2026		14/08/2026		14/08/2046		14/08/2052		14/08/2062	
14/08/2026		14/08/2046		14/08/2052		14/08/2062		14/08/2069	
	00/00/0000	शुक्र	14/12/2029	सूर्य	02/12/2046	चंद्र	14/06/2053	मंगल	11/01/2063
	00/00/0000	सूर्य	14/12/2030	चंद्र	03/06/2047	मंगल	13/01/2054	राहु	29/01/2064
	00/00/0000	चंद्र	14/08/2032	मंगल	08/10/2047	राहु	15/07/2055	गुरु	04/01/2065
	00/00/0000	मंगल	14/10/2033	राहु	01/09/2048	गुरु	13/11/2056	शनि	13/02/2066
	00/00/0000	राहु	14/10/2036	गुरु	20/06/2049	शनि	15/06/2058	बुध	10/02/2067
	00/00/0000	गुरु	15/06/2039	शनि	02/06/2050	बुध	14/11/2059	केतु	09/07/2067
	00/00/0000	शनि	14/08/2042	बुध	09/04/2051	केतु	14/06/2060	शुक्र	07/09/2068
	09/04/2026	बुध	14/06/2045	केतु	15/08/2051	शुक्र	13/02/2062	सूर्य	13/01/2069
बुध	14/08/2026	केतु	14/08/2046	शुक्र	14/08/2052	सूर्य	14/08/2062	चंद्र	14/08/2069

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
14/08/2069		15/08/2087		16/08/2103		15/08/2122		16/08/2139	
15/08/2087		16/08/2103		15/08/2122		16/08/2139		10/04/2146	
राहु	26/04/2072	गुरु	02/10/2089	शनि	18/08/2106	बुध	11/01/2125	केतु	12/01/2140
गुरु	20/09/2074	शनि	14/04/2092	बुध	28/04/2109	केतु	08/01/2126	शुक्र	13/03/2141
शनि	27/07/2077	बुध	21/07/2094	केतु	06/06/2110	शुक्र	08/11/2128	सूर्य	19/07/2141
बुध	13/02/2080	केतु	27/06/2095	शुक्र	06/08/2113	सूर्य	15/09/2129	चंद्र	17/02/2142
केतु	03/03/2081	शुक्र	25/02/2098	सूर्य	19/07/2114	चंद्र	14/02/2131	मंगल	16/07/2142
शुक्र	03/03/2084	सूर्य	14/12/2098	चंद्र	17/02/2116	मंगल	11/02/2132	राहु	03/08/2143
सूर्य	25/01/2085	चंद्र	15/04/2100	मंगल	28/03/2117	राहु	31/08/2134	गुरु	09/07/2144
चंद्र	27/07/2086	मंगल	22/03/2101	राहु	02/02/2120	गुरु	05/12/2136	शनि	18/08/2145
मंगल	15/08/2087	राहु	16/08/2103	गुरु	15/08/2122	शनि	16/08/2139	बुध	10/04/2146

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 4 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकते हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने का सघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगे। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगे।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगे। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करते है। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आपको एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगे तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगे। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपके क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेते हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपना संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगे। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आशक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगे। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन संबंध

का निर्वाह करोगे वह संबंध किसी खास यौन रोग के उत्पत्ति का कारक होगा। अतः सावधानी पूर्वक कुछ समय हेतु किसी नारी के साथ भ्रमण सैर सपाटा कर लें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य संतुष्टि प्रदान नही करेगा।

आप शरीर से दुबले-पतले परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगे। आपकी ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए, आपको सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को उलंघन पार करें।

आप सदैव ही आपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए साथ ही लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।